Faculty of Education
Class: M.A. III Sem (HINDI)
Paper I : आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास-I
Code: HIN -301

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के आधुनिक हिन्दी काव्य और उसके इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। विभिन्न कवियों और उनकी कविताओ ं का विशिष्ट ज्ञान।

विषय आउट कम्स

हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान। प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी।

1. **सामाजिक–**आर्थिक के संदर्भ में आधुनिक काल के साहित्य और विशेषताओं को समझना। उस काल की सांस्कृतिक और राजनीतिक स्थिति।
2. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य साहित्य का अध्ययन।
3. कविताओं का सामाजिक महत्व।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

व्याख्यांश–

1. **मैथिली शरण गुप्तः** साकेत (नवमसर्ग)
2. **जयशंकर प्रसादः** कामायनी (चिंता, श्रृद्धा एवं इंडा सर्ग) आंसू काव्य।
3. **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–** राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, जुही की कली'' बांधान न नाव इस ठाँव बंधु।
4. **सुमित्रा नंदन पंत–** प्रथम रश्मि, परिवर्तन

इकाई–2

मैथिली शरण गुप्त एवं जयशंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं सुमित्रा नंदन पंत से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियां।

इकाई–5

द्रुतपाठ के निर्धारित जगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्या सिंह उपाध्याय, ''हरिऔध'' महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा, नवीन से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. मैथिलीशरण गुप्त –पुर्नमूल्यांकन – डॉ नगेन्द्र
2. जय शंकर प्रसाद – नंद दुलारे वाजपेयी
3. कामायनी पुर्नविचार – मुक्तिबोध
4. निराला – रामविलास शर्मा
5. सुमित्रा नंदन पंत – जीवन और साहित्य–डॉ शांति जोशी
6. हिन्दी स्वछंदतवादी काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
7. कविता के सौ बरस – लीलाधर मंडलोई
8. प्रसाद की काव्य भाषा – रचना आनंद गौड़

Faculty of Education

Class: M.A. III Sem (HINDI)

Paper II : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-I

Paper Code:HIN -302

कोर्स आब्जेक्टिव–

भाषा की प्रकृति और संरचनाः भाषा और संप्रेषण, मानवेतर संप्रेषण और मानव–संप्रेषण भाषा–व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (परोल), भाषा के घटकः ध्वनि, शब्द, (रूप) वाक्य,प्रोक्ति (संवाद) बहुभाषित, सार्वभौमिक व्याकरण।

विषय आउट कम्स–

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा की समझ विकसित होगी, हिन्दी साहित्य की विधाओ ंका विश्लेषणात्मक अध्ययन।

1. किसी भाषा के अर्थ अवधारणा विशेषताओं और प्रकार विकास को समझना।
2. भाषा विज्ञान के अर्थ अवधारणा प्रकार और विभिन्न भाग को समझते हैं। यह एक पूर्ण भाषा है, इसका विस्तृत अध्ययन।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

भाषा और भाषा विज्ञान–

भाषा की परिभाषा और अभिलक्ष्य, भाषा, व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2

स्वन प्रक्रिया–स्वरूप और शाखाएं, वाग्यंत्र, और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा–स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई–3

व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा वाक्य की अवधारणा–वाक्य के **भेद–वाक्य–**विश्लेषण–निकटस्थ अव्यय विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य–संरचना।

इकाई–4

अर्थविज्ञान–अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन।

इकाई–5

साहित्य और भाषा विज्ञान–साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी– डॉ सुनीता कुमार
2. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. उदय नारायण तिवारी
5. हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू
6. भाषा विज्ञान – डॉ राजमानी शर्मा
7. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ राम किशोर शर्मा
8. भाषा चिंतन के नए आयाम – डॉ राम किशोर शर्मा
9. भाषा विज्ञान, हिन्दी भह और लिपि – डॉ राम किशोर शर्मा
10. ग्रामीण हिन्दी बोलिया – हरदेव बाहरी

Faculty of Education
Class: M.A. III Sem (HINDI)
Paper III : नाटक निबंध एवं गद्य विधाएं-I
Code: HIN -303

कोर्स ऑब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य की गद्य की विधाएं नाटक और निबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं नाटक और निबंध का ऐतिहासिक अध्ययन।

विषय आउट कम्स–

नाटक और निबंध का सामाजिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन।

1. प्रसाद के लिए संघर्ष के संदर्भ में ध्रुवस्वामिनी द्वारा लिखित नाटक को समझना पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता।
2. मध्यवर्ग के बारे में प्रेमचंद के दृष्टिकोण और उनकी चिंता को समझना गबन उपन्यासों के माध्यम से भारत में स्वतंत्रता आन्दोलन को मजबूत करना।
3. लघु कथाओं में सामाग्री और अभिव्यक्ति की शैली में परिवर्तन को समझना प्रेमचंद, उम्र, मन्नू भंडारी, भीष्म की कहानियों के माध्यम से अलग–अलग समय सुहानी, स्वयं प्रकाश और उदय प्रकाश।
4. भारतेन्दु हरिशचंद्र और बालकृष्ण के राष्ट्रवाद की भावना को समझना।

पाठ्यक्रम –

इकाई–1

(1) प्रसाद युगीन एवं प्रसादोत्तर नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियां।

(2) हिन्दी रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई–2

(1) चन्द्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद।

(2) अंधा युग– धर्मवीर भारती।

आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश

इकाई–4

एकांकी (1) दीपदान – रामकुमार वर्मा

(2) तांबे के कीड़े– भुवनेश्वर

(3) रीड़ की हड्डी– जगदीश चंद्र माथुर

(4) तोलिये – उपेन्द्रनाथ अश्क

(5) नये मेहमान– उदयशंकर भट्ट

इकाई–5

द्रुत पाठ– भारतेन्दु हरिशचंद्र, शंकर शेष, लक्ष्मीनारायण लाल हबीब तनवीर।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. जगन्नाथ प्रसाद
2. हिन्दी नाटकों का मसीहा – मोहन राकेश
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास– डॉ. दशरथ ओझा
4. मोहन राकेश के साहित्य का समग्र मूल्यांकन– सुरेश चन्द्र
5. बिसवी शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच– गिरीश रस्तोगी
6. हिन्दी साहित्य कोश भाग–1– पारिभाषिक शब्दावली ज्ञानमंडल लिमिटेड वारणासी
7. मोहन राकेश और हिन्दी नाटक– डॉ. गिरीश रस्तोगी
8. हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष– डॉ. गिरीश रस्तोगी